



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat



Cadaver Organ Donor

Lt. Dhaval Nareshbhai Patel

He Donated: Heart, Kidneys, Liver, Pancreas & Eyes

Date:- 04/08/2018

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."

01



Surati heart transplanted in Mumbai

If there's a will, there's a heart, shows Gujarat

Despite embargo by ROTTO, accident victim's heart is sent from Surat to Mumbai and transplanted in a 54-year-old man



Dhaval Patel's (inset) heart being taken out from ambulance at Surat airport before being flown to a Mumbai-based hospital

By Brandon Dabhi
@timesgroup.com

TWEETS @DentonMIRROR

Since May 2018, when inter state organ donation embargo was imposed on Gujarat, six hours of intended patients in State have been wasted. On August 3 one more heart became available in State after 20-year-old Dhaval Patel met with a road accident and was declared braindead. Despite all the odds, Dhaval's heart was harvested and dispatched to Mumbai where it was transplanted in 54-year-old Mahadev Patel.

The embargo was imposed on Gujarat by National Organ and Tissue Transplant Organisation (NOTTO) after an incident came to light where kidneys from Goa were allegedly sent to Maharashtra despite there being recipients in the home state. The Western India Regional Organ Tissue Transplant Organisation (ROTTO) that regulates organ donation, including Gujarat, lacks State Organ and Tissue Transplant Organisation (SOTTO) which oversees organ donation system, preserves patient waiting list for organ and prevent organ trading.

Talking to Mirror about the successful operation, Dhaval Patel's grandniece Piyush Patel said, "We didn't know how to ask Dhaval's mother to donate his organ. She is a widow who lost her husband when Dhaval was just six months old. However, with help of an NGO 'Donate Life' and doctor at BAPS Hospital in Surat, we convinced her and agreed that his heart has given now has a life to someone."

Dhaval's heart, too, would have gone otherwise had it not been for intervention of Donate Life's Nilesh Mandhewala and Human Organ Transplant Authority of Gujarat Dr M M Poddhakar. They convinced ROTTO officials to accept the heart for distribution despite the embargo. At the

end of the day, not only was Dhaval's heart put to good use, his kidneys were also transplanted at KJ Somaiya Hospital in Ahmedabad.

Breaking through the Embargo
Mandhewala said, "After waiting six hours at two months after the embargo, I could not stand to see hours wasted this way. So, I requested Dr Poddhakar to see if that Dhaval's heart did not go waste. CIMS and SAI, the recognised heart transplant centres in Gujarat, had no recipients."

After no recipients for the heart were found in Ahmedabad and other cities of Maharashtra, it was offered to Fortis Hospital in Mumbai, from where a team came and harvested the heart. The operation was carried out by Dr Anjay Mulay, a Cardiac Transplant Surgeon who has performed more than 15 inter-state heart transplants since 2016. 12 from Surat, 1 from Bhavnagar and 2 from Indore in MP.

Speaking about the intervention, Dr Poddhakar, who is also Medical Superintendent of Ahmedabad Civil Hospital in Awarwa, told Mirror, "I spoke to ROTTO officials to convince them to take the heart. They had been sceptical about doing so for the past two months since we don't have a policy for this time, we were successful."

Update on Organ Donation Policy
Speaking on how the formation of organ donation policy is coming along in Gujarat, Dr Poddhakar said, "We have sent the file to Secretary of Health and it is under their scrutiny. We are expecting an answer anytime now."

Dhaval's heart 15th from Gujarat
Dhaval's heart became the 15th such organ to be harvested in Gujarat since 2016 and sent out of State for recipients. Interestingly, lack of policy has enabled harvest and transplant of only five hearts in Gujarat.

Dhaval's heart became the 15th such organ to be harvested in Gujarat since 2016 and sent out of State for transplant. Interestingly, lack of policy has enabled harvest and transplant of only five hearts in Gujarat



Young man's heart 18th to be donated from city

TIMES NEWS NETWORK

Surat: A 20-year-old brain-dead man's organs gave a new lease of life to three people on Saturday.

Dhaval Patel, a resident of Kahan Falia from the city's Mora Bhagal, met with an accident at Sardar Bridge's approach road, while returning home from his college at Majura Gate on August 2. Dhaval, who collapsed on the spot, was immediately taken to BAPS Hospital at Adajan.

The CT Scan and other reports suggested there was blood clot in his brain and his chance of recovery was nil. The doctors on duty declared him brain-dead on August 3. Volunteers of DonateLife, an organization that works for organ donation, got in touch with his family and convinced them to donate Dhaval's organs.

"The family members agreed to donate his heart and other organs since they felt that they would give a new lease of life to several people," DonateLife president Nilesh Mandlewala said.

DonateLife volunteers said Dhaval's heart was harvested and it travelled 277km from Surat to Mumbai in 109 minutes and transplanted into 54-year-old Mahadev Patel, a resident of Mumbai, at Fortis Hospital. This was 18th donation of heart from the Diamond City.

Dhaval's kidneys, liver and pancreas were also donated to the Institute of Kidney Diseases and Research Centre, Ahmedabad. The kidneys were transplanted into Nita Makwana, 38, a resident of Dhandhuka, and Reena Choksi, 42, a resident of Ahmedabad. The pancreas and liver have been kept for research at the IKDRC.



मानवता का पेश किया उदाहरण

मां ने दिया उदार मन का परिचय

**ब्रेन डेड पुत्र का हार्ट दान
कर दी दूसरे को जिंदगी**

**किडनी, लीवर, पैंक्रियाज और
चक्षुओं का किया दान**

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

rajasthanpatrika.com

सुरत. बीस साल पहले दिल का दौरा पड़ने से हुई पति की मौत के बाद फली ने ब्रेनडेड पुत्र के हृदय समेत अन्य अंगों का दान कर उदार मन का परिचय दिया। इससे तीन लोगों को नई जिंदगी और दो को दृष्टि मिली।



मोराभागल क्षेत्र निवासी और आईटीआई छात्र धवल दो अगस्त को आईटीआई से बाइक पर घर लौट रहा था, तभी सरदार ब्रिज पर उसे अन्य बाइक चालक ने टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर घायल धवल को निजी अस्पताल में भर्ती किया गया था। शुक्रवार को चिकित्सकों ने उसे ब्रेनडेड घोषित कर दिया। जानकारी मिलने पर डोनेट लाइफ के प्रमुख नीलेश मांडलेबला टीम के साथ अस्पताल पहुंचे और धवल की मां समेत परिजनों को अंगदान के लिए समझाया। परिजन मान गए और धवल के हृदय समेत अन्य अंगों का दान करने का निर्णय किया। धवल की मां ने बताया कि 20 साल पहले दिल का दौरा पड़ने से उसके पति की मौत हो गई थी, अब पुत्र के अंगदान से किसी को नई जिंदगी मिलती हो तो वह इसके लिए तैयार हैं।

इसके बाद चिकित्सकों की टीम सुरत पहुंची और धवल के हृदय को 109 मिनट में 277 कि.मी दूर पहुंचाकर अंधेरी के महादेव पटेल (54) में ट्रांसप्लान्ट किया गया। वहीं एक किडनी धंधुका निवासी नीतू रसिक मकवाणा (38) तथा दूसरी अहमदाबाद निवासी रीना ब्रजेश चौकसी (42) में ट्रांसप्लान्ट की गई। जबकि लीवर और पैंक्रियाज रिसर्च के लिए रखा गया है। वहीं चक्षुओं का दान लोकदृष्टि चक्षु बैंक ने स्वीकारा।



109 मिनट में 277 किमी तय कर, सूरत के धवल का दिल मुंबई पहुंचा

मुंबई के फोर्टिस अस्पताल में हुआ हार्ट ट्रांसप्लांट

हेल्थ रिपोर्टर | सूरत

109 मिनट में 277 किमी की दूरी तय कर सूरत के धवल पटेल का दिल शनिवार को मुंबई के मुकुंद पहुंचाया गया। वहां फोर्टिस अस्पताल के डॉक्टरों ने यह दिल महादेव पटेल में सफलता पूर्वक ट्रांसप्लांट कर दिया। 20 वर्षीय धवल मोरा भागल चार रास्ता का रहने वाला था। वह आईटीआई प्रथम वर्ष का छात्र था। गुरुवार को वह मजूरगेट स्थित आईटीआई से घर जाते समय सुबह 11.30 बजे सरदार ब्रिज पर उसकी बाइक का एक्सीडेंट हो गया, जिससे उसके सिर पर चोट आई थी। इलाज के लिए उसे प्रमुख स्वामी अस्पताल में भर्ती कराया गया। शुक्रवार को डॉक्टरों ने उसे ब्रेनडेड घोषित कर दिया। उसके बाद डोनेट लाइफ संस्था के प्रमुख नीलेश मांडलेवाला ने परिजनों को अंगदान के लिए राजी किया। धवल की मां ने कहा कि जब वह छह माह का था तब उसके पिता की हृदय रोग के कारण मीत हुई थी। उन्होंने कहा कि हृदय दान से किसी को नया जीवन मिल सकता है। नीलेश मांडलेवाला का कहना है कि 2007 से अब तक सूरत से 18 हृदय दान किया जा चुका है। इसमें 13 मुंबई, 3 अहमदाबाद, 1 चेन्नई और 1 इंदौर को दिया गया।

इस तरह सूरत से मुंबई पहुंचा धवल का दिल

4:00 बजे सुबह ब्रेनडेड धवल को ऑपरेशन थियेटर ले जाया गया
7:08 बजे सुबह फोर्टिस अस्पताल ने हृदय लेने की स्वीकृति दी
7:21 बजे सुबह फोर्टिस अस्पताल की टीम सूरत पहुंची
7:40 बजे सुबह स्पाइसुजेट की प्लाइट से हृदय लेकर मुंबई रवाना
8:28 बजे सुबह हृदय मुंबई एयरपोर्ट
8:36 बजे सुबह मुंबई एयरपोर्ट से फोर्टिस अस्पताल के लिए रवाना
8:55 बजे सुबह ऑपरेशन थियेटर में

लीवर, किडनी और आंखें भी कर दी दान

ब्रेनडेड धवल के दिल के साथ लीवर, किडनी, पैंक्रियाज और आंखों का भी दान कर दिया गया। अहमदाबाद स्थित आईकेडीआरसी अस्पताल में एक किडनी धंधुका निवासी 38 वर्षीय नीता बेगमकवाड़ा और दूसरी अहमदाबाद निवासी 43 वर्षीय रीनाबेन चोक्ली में ट्रांसप्लांट की गई। लीवर और पैंक्रियाज को रिसेप्ट के लिए और आंख आई बैंक को दे दी गई।



ब्रेनडेड आई.टी.आई छात्र के अंगदान से 5 को मिला नवजीवन

संवाददाता,सूरत

सरदार ब्रिज टर्निंग के पास सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल आईटीआई छात्र धवल पटेल को चिकित्सक ने ब्रेनडेड घोषित किया था। उसके परिवार ने धवल पटेल के अंगो का दान कर 5 व्यक्तियों को नवजीवन प्रदान किया। सूत्रों के अनुसार मोराभागल चौराहे के पास अंबाजी मंदिर के बगल में कहान फलिया निवासी और मंजूरागेट स्थित आईटीआई कॉलेज के प्रथम वर्ष में पढ़ रहे 20 वर्षीय छात्र धवल नरेश पटेल 2 अगस्त को सुबह कॉलेज से घर वापस लौट रहा था। उसी दौरान सरदार ब्रिज

के टर्निंग के पास एक बाइक चालक से उसकी बाइक टकरायी और वह बेहोश हो गया। जिसके बाद उसे तत्काल इलाज के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान चिकित्सक ने उसे ब्रेनडेड घोषित किया। इस संदर्भ ने अस्पताल द्वारा डोनेट लाइफ की टीम को जानकारी दी जिसके बाद टीम अस्पताल पहुंची और ब्रेनेडेड धवल के परिजनों को अंगदान का महत्व समझाया जिसके बाद परिजनों ने अंगदान की अनुमति दे दी। धवल पटेल के अंगो के दान से 5 व्यक्तियों को नया जीवन मिला। जिसमें से एक मुबाई के महादेव पटेल में धवल पटेल का हृदय ट्रांसप्लान्ट किया गया है।

सुरतना ITI विद्यार्थीनुं हृदय हुवे मुंभर्छना रडीशमां धडकशे : अन्य अंगोनुं पणु दान

(निर्दिष्ट प्रस) सुरत, इतिवार
अज्ञात सडक दुर्घटना मे हिनत जगती अडमनमां ठरुण धवल पटेली ब्रेनडेड जडर इराव तेष परिवारे हृदय, किडनी, लिवर, पेन्सीआस अने खुलेनुं दान करी प व्यक्तिअने नवजवन आपी सुनवत परीअपी छे.

धवल पटेलना परिवारे हृदय उपरांत भंने किडनी, आंभो, लीवर अने पेन्कीआसनुं दान करी मानवता प्रसरावी : पांय व्यक्तिने नवजवन

सुरतना मोराभागल चौराहे के पास सरदार ब्रिज टर्निंग के पास सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल आईटीआई छात्र धवल पटेल को चिकित्सक ने ब्रेनडेड घोषित किया था। उसके परिवार ने धवल पटेल के अंगो का दान कर 5 व्यक्तियों को नवजीवन प्रदान किया। सूत्रों के अनुसार मोराभागल चौराहे के पास अंबाजी मंदिर के बगल में कहान फलिया निवासी और मंजूरागेट स्थित आईटीआई कॉलेज के प्रथम वर्ष में पढ़ रहे 20 वर्षीय छात्र धवल नरेश पटेल 2 अगस्त को सुबह कॉलेज से घर वापस लौट रहा था। उसी दौरान सरदार ब्रिज

के टर्निंग के पास एक बाइक चालक से उसकी बाइक टकरायी और वह बेहोश हो गया। जिसके बाद उसे तत्काल इलाज के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान चिकित्सक ने उसे ब्रेनडेड घोषित किया। इस संदर्भ ने अस्पताल द्वारा डोनेट लाइफ की टीम को जानकारी दी जिसके बाद टीम अस्पताल पहुंची और ब्रेनेडेड धवल के परिजनों को अंगदान का महत्व समझाया जिसके बाद परिजनों ने अंगदान की अनुमति दे दी। धवल पटेल के अंगो के दान से 5 व्यक्तियों को नया जीवन मिला। जिसमें से एक मुबाई के महादेव पटेल में धवल पटेल का हृदय ट्रांसप्लान्ट किया गया है।

आवेलां किडनी, पेन्की आस किडनी पंगुशन, नीलपेन रडिअयॉन मडवाड (डि.व. उटी) अने लीवर किडनी अलगावडना विनपेन मोसरी (डि.व. इर)नां इन्फेक्शन इरावमां आनी, पयरे लीवर अने पेन्सीआस किडनी माडे सनवतमां आवेलां छे. मोरपीप छे के, पयक मंजूरागेट आने आर्टी.टी.आर्टी.न पटेल, वपथ, आम्बास इराती अती, तेन फिजनुं अलगाव पयुं छुं, तेनी मज इंगलेन भेलीअम सपे संजकवेलां छे, ते परिवारमां अेअनी अेड लाडवयो पुन अती.



સુરતથી ૨૭૭ કિ.મી.નું અંતર ૧૦૭ મિનિટમાં કાપી મુંબઈના યુવાનમાં હૃદય ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

**તળપદા કોળી સમાજના
બ્રેનડેડ દર્દી ધવલ
પટેલના અંગદાનથી
પાંચ વ્યક્તિઓને
નવજીવન મળ્યું**

સુરત, શનિવાર : ૨ ઓગસ્ટના રોજ મજૂરાગેટ આઈટીઆઈમાંથી ઘરે પરત ફરી રહેલા મોરા-ભાગળ ચાર રસ્તા અંબાજી મંદિર કદાન ફળીયાના વતની ધવલ નરેશ પટેલ (ઉ.વ. ૨૦) ની બાઈક સાથે બીજી બાઈક સરદાર બ્રિજ પર અથડાતા ધવલને માથાના ભાગે ઈજાઓ થઈ હતી. અડાજણની ખાનગી હોસ્પિટલની સારવાર દરમ્યાન તે બ્રેનડેડ થયા ડોનેટ લાઈફના નિલેશ માંડલેવાળાની સમજાવટથી પરિવારના સભ્યોએ અંગદાન કરતા પાંચ લોકોને નવજીવન મળ્યું છે.

ધવલ પટેલનું હૃદય ૨૭૭ કિ.મી.નું અંતર ૧૦૯ મિનીટમાં કાપી મુંબઈના અંધેરી ચાંદીવાલીના દર્દી મહાદેવ પટેલ (૫૪ વર્ષ)ના શરીરમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું. મુંબઈની ફોર્ટીસ હોસ્પિટલના ડૉ. સતીશ જવાલી અને તેમની ટીમે સુરત આવી હૃદયનું દાન સ્વીકાર્યું. જ્યારે અમદાવાદની ઈન્સ્ટિટ્યુટ ઓફ કીડની ડીસીઝ એન્ડ રિસર્ચ સેન્ટર (આઈકેડીઆરસી)ના ડૉ. પ્રાંજલ મોદી,

ડૉ. જમાલ રીઝવી અને તેમની ટીમે આવી કિડની, લિવર અને પેન્ક્રીઆસનું દાન સ્વીકાર્યું. જ્યારે ચક્ષુઓનું દાન લોકદષ્ટિ ચક્ષુબંકના ડૉ. પ્રફુલ શિરાયાએ સ્વીકાર્યું.

બીએપીએસ પ્રમુખ સ્વામી હોસ્પિટલથી મુંબઈની ફોર્ટીસ હોસ્પિટલ સુધીનું ૨૭૭ કિ.મી.નું અંતર ૧૦૯ મીનીટમાં કાપીને દાનમાં મેળવવામાં આવેલા હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ચાંદીવાલી, અંધેરી, મુંબઈના રહેવાસી મહાદેવ પટેલ ઉ.વ. ૫૪માં ચીફ કાર્ડિયાક સર્જન ડૉ. અનવય મુલે અને તેમની ટીમ દ્વારા કરવામાં આવ્યું છે. છેલ્લા અઢી વર્ષોમાં સુરતમાંથી હૃદય ટ્રાન્સફર અને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવાનો આ અદારમી ઘટના છે, જેમાંથી તેર હૃદય, મુંબઈ, ત્રણ હૃદય અમદાવાદ, એક હૃદય ચેન્નાઈ, અને એક હૃદય ઈન્દોર મોકલવામાં આવ્યું છે.

દાનમાં મેળવવામાં આવેલી કિડની પૈકી એક કિડની ધંધુકાના રહેવાસી નીતાબેન રશીકભાઈ મકવાણા ઉ.વ. ૩૮ અને બીજી કિડની અમદાવાદના રહેવાસી રીનાબેન વ્રજેશભાઈ ચોકસી ઉ.વ. ૪૨માં અમદાવાદની ઈન્સ્ટિટ્યુટ ઓફ કીડની ડીસીઝ એન્ડ રિસર્ચ સેન્ટર (આઈકેડીઆરસી)માં ડૉ. પ્રાંજલ મોદી, ડૉ. જમાલ રીઝવી અને તેમની ટીમ દ્વારા કરવામાં આવ્યું છે. જ્યારે લિવર અને પેન્ક્રીઆસને રીસર્ચ માટે રાખવામાં આવેલ છે.



બ્રેઈનડેડ યુવાનના અંગદાન થકી પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું

સુરત, તા.૦૪ મજૂરા ગેટ સ્થિત આઈટીઆઈમાં પહેલા વર્ષમાં અભ્યાસ કરતા અને કઠાન ફળિયું, ઘર નંબર ૬૬, અંબાજી માતાના મંદિરની બાજુમાં, ભેંસાણ ખાતે રહેતા ૨૦ વર્ષિય ધવલ નરેશભાઈ પટેલ માર્ગ અકસ્માતમાં બ્રેઈન ડેડ થતા પરિવારે તેમનું અંગદાન કરી પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન આપ્યું હતું. ધવલના હૃદયને સુરતથી ૨૭૭ કીમીનું અંતર ૧૦૯ મીનીટમાં કાપીને મુંબઈ લઈ જવાયું જ્યાં હૃદયનું ટ્રાન્સફર અને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ચાંદીવલી, અંધેરીના મહાદેવ પટેલ (ઉ. વ. ૫૪)માં મુલુંડની ફોટીસ હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું. ઉલ્લેખનીય છે કે સુરતમાંથી ૧૮માં હૃદયનું દાન થયું હતું. ધવલના જન્મ પછી તેમના પિતા નરેશભાઈ ગોપાલભાઈ પટેલ છ મહિનામાં જ હૃદયરોગના હુમલાથી મૃત્યુ પામ્યા હતા. ધવલને તેમની માતા હંસાબેને ઉછેરીને મોટી કર્યાં હતાં.

ગત ગુરુવારે ધવલ સવારે ૧૧:૩૦ કલાકે આઈટીઆઈમાંથી ઘરે પરત ફરી રહ્યાં હતાં ત્યારે સરદાર શ્રીજીના ટર્નિંગ પાસે ધવલની બાઈક અન્ય બાઈક સાથે ટકરાતા ઈજાગ્રસ્ત ધવલને બેભાન હાલતમાં બીએપીએસ હોસ્પિટલમાં લઈ જવાયો હતો. જ્યાં નિદાન સારવાર બાદ શુક્રવારે ધવલને બ્રેઈન ડેડ જાહેર કરાયો હતો. આ બાબતની જાણ ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નીલેશ માંડલેવાલાને કરવામાં આવતા ડોનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પહોંચી ધવલના માતા હંસાબેન, દાદા પીયુશભાઈ અને શાંતુભાઈ, હુઆ સુમનભાઈ, કાકા

દલસુખભાઈ, ફોઈ રમીલાબેન, ઈલાબેન, કોલી સંગીતાબેન તેમજ પરિવારના અન્ય સભ્યોને ઓર્ગન ડોનેશનનું મહત્વ સમજાવતા પરિવારે અંગદાનની સંમતી આપી હતી.

દાનમાં મેળવવામાં આવેલી કિડની પેકી એક કિડની પેંધુકાના નીતાબેન રશીકભાઈ મકવાણા (ઉ. વ. ૩૮) અને બીજી કિડની અમદાવાદના રીનાબેન વ્રજેશભાઈ ચોકસી (ઉ. વ. ૪૨)માં અમદાવાદ ખાતે ડો. પ્રાંજલ મોદી, ડો. જમાલ રીઝવી અને તેમની ટીમ દ્વારા ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાઈ હતી. જ્યારે લિવર અને પેન્ક્રીઆસને રીસર્ચ માટે રાખવામાં આવેલ છે. જ્યારે ચક્ષુઓનું દાન લોકલશિ ચક્ષુ બેંકના ડો. પ્રફુલ શિરાયાએ સ્વીકાર્યું હતું. ધવલના હૃદયના દાન માટે ગુજરાતની હોસ્પિટલમાં હૃદયના



ટ્રાન્સપ્લાન્ટ માટે કોઈપણ દર્દી ના હોવાને કારણે મુંબઈની ફોટીસ હોસ્પિટલને આપવામાં આવ્યું હતું. બીએપીએસ હોસ્પિટલથી મુંબઈની ફોટીસ હોસ્પિટલ સુધીનું ૨૭૭ કિ. મી નું અંતર ૧૦૯ મીનીટમાં કાપીને દાનમાં મેળવવામાં આવેલા હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ચાંદીવલી, અંધેરી, મુંબઈના રહેવાસી મહાદેવ પટેલ ઉ.વ ૫૪ માં ચીફ કાર્ડિયાક સર્જન ડો. અનવય મુલે અને તેમની ટીમ દ્વારા કરવામાં આવ્યું છે.

છેલ્લા અઢી વર્ષમાં સુરતમાંથી હૃદય ટ્રાન્સફર અને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવાની આ અદારમી થતના છે, જેમાંથી તેર હૃદય મુંબઈ, ત્રણ હૃદય અમદાવાદ, એક હૃદય ચેન્નાઈ, અને એક હૃદય ઈન્દોર મોકલવામાં આવ્યું છે.

હિંદુ તળપદા કોળી સમાજના પટેલના પરિવારે અંગદાન થકી માનવતાની મહેક પ્રસારી સમાજને નવી દિશા બતાવી



અત્યાર સુધી સુરતમાંથી 18 વ્યક્તિના હૃદયનું દાન બ્રેનડેડ વિદ્યાર્થીના અંગદાન થકી પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન અપાયું

હેલ્થ રિપોર્ટર|સુરત : સરદાર બ્રિજ પર બાઈકની ટક્કર બાદ બ્રેનડેડ ધવેલા ભેંસાણના આઈટીઆઈના વિદ્યાર્થીના હૃદય સહિતના અંગોનું દાન કરી 5 વ્યક્તિને નવજીવન આપી પરિવારે માનવતા મહેકાવી હતી. ચીન કોરી ડીરની મહત્વથી વિદ્યાર્થીનું હૃદય 277 કિ.મી.નું અંતર 109 મી.નીટમાં કાપીને મુંબઈના આર્પેડમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું.

સરદાર બ્રિજ પર અકસ્માતમાં ભેંસાણનો ધવલ બ્રેનડેડ થયો હતો

ગેજેટ બને કિની અમદાવાદ અને પુણની મહિલાઓમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવી હતી. બેંસાણ ખાતે એવો ધવલ નરેશભાઈ પટેલ(20) અહુરાગેટ બાઈકવાઈના ખોલા વર્ષમાં અભ્યાસ કરતો હતો(2019)ગુજરાત રેલવેપોરેનહેા બાઈકીયાઈમાંથી ઘટે જવા મોટ બાઈક પર નિકળ્યો હતો. ત્યારે પાટણથી આગળના સંજોના વિદ્યાર્થી અકિત તાલક ફુલે બાઈક સાથે અડસતાન કરીતા લંકિનનું ધવલ સપરે જ મોટ નિષેવનું હતું.

ગતીર રીલે ધવાપેલા ધવલને પ્રવુન સ્થાની હોસ્પિટલમાં ડાબલ કરાવ્યો હતો. જ્યાં શુભવારે તેને બ્રેનડેડ જાહેર કર્યો હતો. બ્રેનડેડ

અંગોના માલિકી ડોનેટ બાઈકના નિલેશ માટેવાલાને મલતા ડોનેટ બાઈકની ટીમ હોસ્પિટલ પહોંચી હતી અને ધવલની માત્ર અને પરિવારને ઓરંગ ડોનેટના અંગે માહિતી આપી હતી.

ધવલ ઠગડિયાનો હતો ત્યારે જ તેના પિતાનું હૃદય ડોનાટા તુલ્યામાં મોટ ધવું લોનાનું જણાવી તેઓ અંગદાન માટે સંમત થયા હતા. પરિવારની સંગતિ બાદ ડોનેટ કમિશન નિલેશ માટેવાલાએ આઈટીઆઈના પ્રણવ મોદીનો સોર્ક કરાવ્યો હતો. જ્યારે હૃદયના દાન માટે તુલ્યાતની હોસ્પિટલમાં હૃદયના ટ્રાન્સપ્લાન્ટ માટે કોર્ડ પસંદ કરીતા હોવાને કારણે તુલ્યાતના ટ્રાન્સપોર્ટ ઓપેરેટરિશન ડિપાર્ટના

વેરવેન ડો.પ્રભાકરનો સોર્ક કર્યો હતો, તેમજ 201700 મુંબઈને સોર્ક કર્યો હતો અને ત્યાર બાદ મુંબઈની કોર્ડીલ હોસ્પિટલને હાલ આપવામાં આવ્યું હતું.

કોર્ડીલ હોસ્પિટલની ટીમ શુભ આવી હતી અને હૃદયનું દાન સિદ્ધી 277 કિ.મી. નું અંતર 109 મી.નીટ કાપીને હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મુંબઈના હોવાઈ મહાદેવ પટેલ(15)નાં કરાવ્યું હતું. તેની જ રીલે બને કિની પેડી એડ કિની પુલના નીલચેન પલ્યાણ(18) માં અને એડ કિની અમદાવાદના ચીનાચેન કરીતાવાઈ મોડી(42) માં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવી હતી. તેજ્ય વિવર અને પેનાઈઆલ વૈદ્યે માટે રાખવામાં આના છે.

બ્રેનડેડ વિદ્યાર્થીના અંગોના દાનથી ૫ જણાને નવુ જીવન મળ્યું

સુરત. મોરાભાગળ ખાતે રહેતા અને આઈ.ટી.આઈ. કોલેજના પહેલા વર્ષમાં અભ્યાસ કરતા ધવલ નરેશ પટેલ(ઉ.વ.૨૦) રજી ઓગષ્ટના રોજ સવારે કોલેજથી ઘરે જતી વખતે સરદાર બ્રિજ નજીક બાઈક સાથે અકસ્માત સર્જાતા તેને સારવાર માટે હોસ્પિટલમાં ખસેડવામાં આવ્યો હતો. જ્યાં ધવલને બ્રેનડેડ જાહેર કરવામાં આવ્યો હતો. આ અંગે હોસ્પિટલ દ્વારા

ડોનેટ લાઈની ટીમને જાણ કરાતા ડોનેટ લાઈકની ટીમ હોસ્પિટલ પહોંચી ગઈ હતી. અને બ્રેનડેડ ધવલ પટેલના પરિવારને અંગદાનનું મહત્વ સમજાવતાં પરિવારે અંગદાન માટે સંમતિ આપી હતી. ધવલ પટેલના અંગોના દાનથી ૫ વ્યક્તિઓને નવુ જીવન મળ્યું હતું ત્યારે ધવલ પટેલનું હૃદય મુંબઈના મહાદેવ પટેલમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું.



સુરતના ITIના વિદ્યાર્થીનું હૃદય મુંબઈના આધેડમાં ધબકશે ભેંસાણના બ્રેઈનડેડ યુવકના હૃદયનું પરિવારે દાન કર્યું

। સુરત ।

સુરતના હિંદુ તળપદા કોળી સમાજના બ્રેઈનડેડ યુવાનનું પરિવારે હૃદય, કિડની, લિવર અને આંખોનું દાન કરી સમાજને પ્રેરણાદાયક દાખલો આપ્યો હતો. કોલેજથી ઘરે પરત ફરતી વખતે સરદાર બિજના ટર્નિંગ પાસે અકસ્માત નડ્યાં બાદ હોસ્પિટલમાં સારવાર દરમિયાન તેને બ્રેઈનડેડ ઘોષિત કરાતા અંગોનું દાન કરાયું હતું.

ભેંસાણના કહાન ફળિયામાં રહેતો ધવલ નરેશ પટેલ (ઉં.વ. ૨૦) મજુરાગેટ ખાતેની આઈટીઆઈ કોલેજમાં અભ્યાસ કરતો હતો. ગત તા. ૨૭એ ધવલ કોલેજમાંથી ઘરે પરત ફરી રહ્યો હતો ત્યારે સરદાર બિજના ટર્નિંગ પાસે

એક બાઈકચાલકે ટક્કર મારતા અકસ્માત સર્જતા તેને હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયો હતો. જ્યાં ગઈકાલે તેને બ્રેઈનડેડ ઘોષિત કરાયો હતો. ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાએ જણાવ્યું હતું કે, પરિવારને અંગદાનનું મહત્વ સમજાવતા તેમણે ધવલના અંગોના દાન માટે સહમતી આપી હતી. ધવલનું હૃદય મુંબઈ, અંધેરીના મહાદેવ પટેલ (ઉં.વ. ૫૪)માં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. જ્યારે એક કિડની ધંધુકાના નિતાબેન મકવાણા (ઉં.વ. ૩૮) અને બીજી કિડની અમદાવાદના રીનાબેન ચોકસી (ઉં.વ. ૪૨)માં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાઈ હતી. લિવર અને પેન્ક્રીઆયસ રિસર્ચ માટે રાખવામાં આવ્યાં છે.

સુરતમાંથી ૧૮ મું હાર્ટ ડોનેટ કરાયું



DONATE LIFE

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

Date: January 2006 to 04th August 2018

269

KIDNEYS

108

LIVERS

6

PANCREAS

18

HEARTS

226

CORNEA

DONATE LIFE™
an initiative of organ donation

**Which has given new lease of life &
vision to 624 persons across the country & globe**